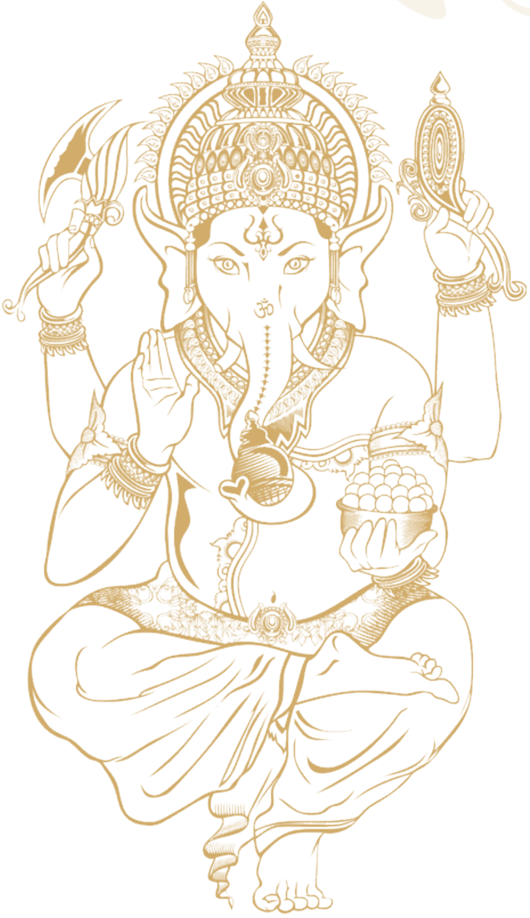

Mr.

09 Oct 2025

01:30 PM

Bhagalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120899603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/10/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**13:30:00 घंटे**
इष्ट	19:40:33 घटी
स्थान	**Bhagalpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:14:00 उत्तर
रेखांश	86:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:17:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:47:56 घंटे
वेलान्तर	00:12:44 घंटे
साम्पातिक काल	15:00:43 घंटे
सूर्योदय	05:37:46 घंटे
सूर्यास्त	17:20:34 घंटे
दिनमान	11:42:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:04:12 कन्या
लग्न के अंश	09:05:57 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वज्र
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	09:05:57	398:30:08	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	22:04:12	00:59:14	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मेष	22:34:44	15:00:56	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			तुला	17:21:21	00:41:22	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			तुला	09:42:57	01:28:23	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	29:10:39	00:06:05	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	00:08:18	01:14:15	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	नीच राशि
शनि	व		मीन	02:55:40	00:04:15	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:53:25	00:03:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:53:25	00:03:52	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:47:56	00:01:34	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	06:06:32	00:01:35	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:09:16	00:00:08	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			तुला	23:25:28	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:04

लग्न-चलित

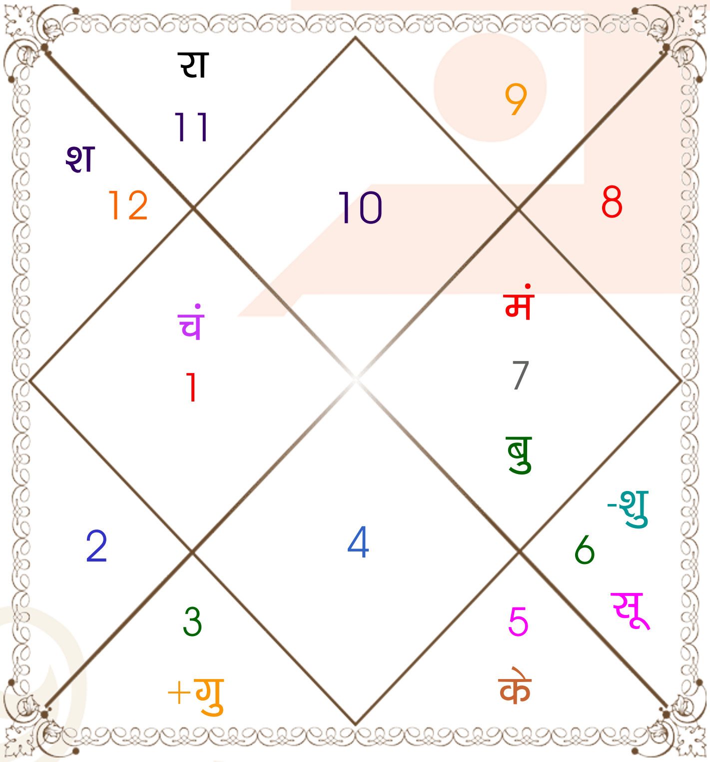

चन्द्र कुंडली

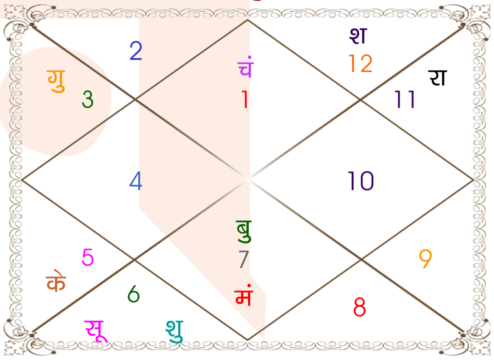

नवमांश कुंडली

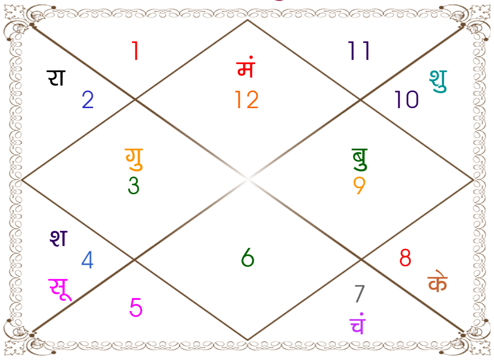

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 1 मास 17 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/10/2025		27/11/2031		26/11/2037		27/11/2047		26/11/2054	
27/11/2031		26/11/2037		27/11/2047		26/11/2054		26/11/2072	
	00/00/0000	सूर्य	15/03/2032	चंद्र	27/09/2038	मंगल	24/04/2048	राहु	09/08/2057
	00/00/0000	चंद्र	14/09/2032	मंगल	28/04/2039	राहु	12/05/2049	गुरु	02/01/2060
	00/00/0000	मंगल	20/01/2033	राहु	26/10/2040	गुरु	18/04/2050	शनि	08/11/2062
	00/00/0000	राहु	14/12/2033	गुरु	25/02/2042	शनि	28/05/2051	बुध	28/05/2065
	00/00/0000	गुरु	03/10/2034	शनि	27/09/2043	बुध	24/05/2052	केतु	15/06/2066
	09/10/2025	शनि	15/09/2035	बुध	25/02/2045	केतु	20/10/2052	शुक्र	15/06/2069
शनि	27/11/2027	बुध	21/07/2036	केतु	26/09/2045	शुक्र	21/12/2053	सूर्य	10/05/2070
बुध	27/09/2030	केतु	26/11/2036	शुक्र	28/05/2047	सूर्य	27/04/2054	चंद्र	08/11/2071
केतु	27/11/2031	शुक्र	26/11/2037	सूर्य	27/11/2047	चंद्र	26/11/2054	मंगल	26/11/2072

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/11/2072		26/11/2088		28/11/2107		27/11/2124		28/11/2131	
26/11/2088		28/11/2107		27/11/2124		28/11/2131		00/00/0000	
गुरु	14/01/2075	शनि	30/11/2091	बुध	25/04/2110	केतु	25/04/2125	शुक्र	29/03/2135
शनि	27/07/2077	बुध	09/08/2094	केतु	23/04/2111	शुक्र	25/06/2126	सूर्य	28/03/2136
बुध	02/11/2079	केतु	18/09/2095	शुक्र	20/02/2114	सूर्य	31/10/2126	चंद्र	27/11/2137
केतु	08/10/2080	शुक्र	17/11/2098	सूर्य	28/12/2114	चंद्र	01/06/2127	मंगल	27/01/2139
शुक्र	09/06/2083	सूर्य	30/10/2099	चंद्र	28/05/2116	मंगल	28/10/2127	राहु	27/01/2142
सूर्य	27/03/2084	चंद्र	01/06/2101	मंगल	25/05/2117	राहु	15/11/2128	गुरु	27/09/2144
चंद्र	27/07/2085	मंगल	10/07/2102	राहु	13/12/2119	गुरु	22/10/2129	शनि	10/10/2145
मंगल	03/07/2086	राहु	16/05/2105	गुरु	20/03/2122	शनि	30/11/2130		00/00/0000
राहु	26/11/2088	गुरु	28/11/2107	शनि	27/11/2124	बुध	28/11/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 1 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मकर लग्न में मीन राशि के नवमांश एवं मकर राशि के द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति यह निर्दिष्ट कर रहा है कि आपका जीवन सौभाग्यशाली रहेगा। आपकी अभिलाषा के अनुकूल आपकी अच्छी बहुमत रहेगी। जो अनेक रिक्तियों की पूर्ति करेगा तथा भरपूर धनोपार्जन के लिए समर्थ होंगे। आप एक उत्साही व्यक्ति हैं। यह प्रदर्शित होता है, तथा आपकी अभिरूचि दर्शन शास्त्र अध्ययन की रहेगी। आप एक धार्मिक व्यक्ति हैं। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण करेंगे। आपकी आत्मा उदार है तथा आप स्वयं सेवी दान सेवी संस्था को दान प्रदान करेंगे।

आप एक ऐसा व्यक्ति हैं जो समाज में एक स्तम्भ की भांति विचारणीय है। आप मेधावी एवं बुद्धिमान हैं। आप किसी भी व्यक्ति को प्रभावित कर उसे मर्यादित एवं मानवता के गुणों से युक्त करेंगे। इस प्रकार अनेक व्यक्ति आपके निर्देशन हेतु पहुंचेगे तथा आप उनको संतुष्टि प्रदान करेंगे।

आप एक अधिकार प्राप्त करेंगे एवं धनी व्यक्तियों की दृष्टि में आदरणीय होंगे। वे सभी आपकी सहायता के लिए प्रवृत होंगे तथा आप उन लोगों से काफी संपत्ति उपार्जित करेंगे। आप एक मितव्ययी प्राणी होंगे तथा आर्थिक मामले में पूर्ण सतर्क रहेंगे। आप अपने धन को अच्छे कार्यो में व्यय करेंगे तथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के सुखदायक वातावरण का सृजन करेंगे। आपके उत्तम संतान होंगे। इस संबंध में आप भाग्यशाली हैं। वे अपने परिवार के नाम और प्रसिद्धि को बरकरार रखेंगे।

आपके लिए एक महत्वपूर्ण विषय पर विचार करना आवश्यक है कि आपके द्वारा लापरवाही करना निराशाजनक प्रवृति का द्योतक है। अपने कार्य व्यवसाय को संपादन करने में रूकावट करना ठीक नहीं हैं। आप किसी कार्य के विपरीत संकेत पाकर आपका हृदय टूट जाता है। आप धैर्यपूर्वक दोनों हाथों से कार्य व्यवसाय के संबंध में समुचित राह अपनाएं एवं हर दशा में कार्य में सफलता प्राप्त करें। अन्यथा आप रोगों को आमंत्रित करेंगे। यथा दुर्बलता एवं वायु एवं उदर रोग से आक्रांत हो जाएंगे। आप अन्य रोगादि के प्रतिकूल सतर्कता बरते तथा अपने पाचन क्रिया से संबंधित रोगों के प्रति भी सुरक्षात्मक कदम उठाएं।

अतएव आपको निर्दिष्ट किया जाता है कि छोटे-छोटे दैहिक रोगादि से क्षति ग्रस्त होने की आशंका है, अतः अकस्मात् छलांग लगाना अथवा ऊंचाई से गिर जाना आदि। ये सभी रोगादि को सुनिश्चिता नहीं है परंतु आपको प्रभावित कर सकता है। परंतु आपको इन रोगादि की संभावनाओं के प्रति विचार करना चाहिए तथा पहले से ही अपने स्वास्थ्य का संरक्षण करना सामान्यतया अच्छा होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली एवं अनुकूल दिन शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार का दिन है। परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल चिंताकारक एवं व्ययकारक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 6, 9 एवं 8 अंक हैं। अंक 3 आपके लिए परेशानी वाला है। अतः इस अंक का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। कृपया पीला एवं क्रीम रंग का परित्याग करें।